# ओवर बॉडी वाहन यानी मौत के यमदूत

## गन्ने और भूसे से लदी गाड़ियों से आए दिन हो रहे बड़े हादसे, प्रशासन मौन

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

**शहर** और हाइवे पर ओवरलोड, ओवरहाइट, बजरी, ग्रिट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां गाड़ियां बेखौफ दौड़ रही है और यातायात नियमों की खुली अवहेलना कर रही हैं। यही कारण है कि अक्सर ओवरलोड और ओवरहाइट वाहन हादसों का सबब बन रहे हैं। यातायात पुलिस नियम विरुद्ध वाहनों के खिलाफ खानापूर्ति के लिए कार्रवाई कर इतिश्री कर लेती है। पुलिस संरक्षण में सड़कों पर दौड़ रहे ओवर बॉडी ट्रक व ट्रैक्टर सरीखे वाहन हादसों को न्योता दे रहे हैं। एनएच-58 के दौराला क्षेत्र में हाइवे पर एक दिन पहले ऐसे ही एक ओवर बॉडी वाहन की चपेट में आकर एक शख्स की मौत हो गयी। इस वाहन पर गन्ने की खोई लादी गई थीं। शाम ढलते ही पूरे महानगर में ऐसे ओवर बॉडी वाहन बगैर रोकटोर भागते दौड़ते देखे जा सकते हैं।

शहर में बेरोकटोक सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड वाहन।

### लग जाता है भीषण जाम

**ओवर** बॉडी वाहनों जिन पर भूसा, गन्ने की खोई, गन्ना आदि लदा होता है, जहां से भी गुजरते हैं वहां जाम लग जाता है। रोड पर जो ओवर बॉडी वाहन दिखाई देता है उसके दाएं व बाएं से कोई दूसरा वाहन नहीं निकल पाता। हाइवे की यदि बात की जाए तो हाइवे पर ऐसे वाहन अक्सर रोड के बीच में चलते हैं। जिसकी वजह से किसी भी साइड से दूसरे वाहन नहीं निकल पाते हैं और जाम सरीखे हालात बन जाते हैं।

एनएच-58 पर तो ऐसे ओवर बॉडी वाहनों की वजह से लेट नाइट अक्सर जाम लग जाता है। सर्दी के मौसम में ओवर बॉडी वाहन ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। कोहरे में कई बार तो ओवर बॉडी वाहन पीछे आने वाली गाड़ियों के चालकों को नजर नहीं आते और गाड़ियां हादसों का शिकार हो जाती हैं। जैसे-जैसे कोहरा पड़ना शुरू होगा, ओवर बॉडी वाहन रोड पर ज्यादा जानलेवा साबित होने लगते हैं। ऐसा नहीं है कि किसी खास रोड से ये गुजरते हों, जितने भी हाइवे हैं उन सभी से ऐसे ओवर बॉडी वाहन गुजरते हुए देखे जा सकते हैं। कई बार रोड पर जब ये गुजर रहे होते हैं तो अचानक जिन वाहनों पर भूसा लदा होता है, उनकी रस्सी

### रोकटोक के बजाय चौराहों पर मुट्ठी गर्म कर निकाल देते हैं पुलिस कर्मी

खुल जाती है ओर जो भी वाहन उस दौरान समीप से गुजर रहा होता है, उसकी चपेट में आकर हादसे का शिकार हो जाता है। इसी तर्ज पर गन्ने से लदे वाहन भी अक्सर हादसों का कारण बनते हैं।

### पुलिस तैनात, फिर भी नहीं कोई रोकटोक

**जिस** भी रोड से ओवर बॉडी वाहन गुजरते हैं वहां मेन रोड व चौराहों पर भी पुलिस रात में मुस्तैद रहती है। अनेक चौराहें पर फैंटम वाहन और 112 पुलिस कंट्रोल रूम की गाड़ियां खड़ी रहती हैं, लेकिन इसके बाद भी ओबर बॉडी वाहन मुट्ठी गर्म करते हुए आसानी से गुजरते चले जाते हैं। जिससे शहरवासियों में पुलिस के प्रति आक्रोश है।

# मात्र 5000 में चकलाघर का लाइसेंस

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

**सेटिंग-गेटिंग** की जरूरत है और थोड़े से पैसे खर्च कीजिए और खोल लीजिए अपने घर में ही ओयो के नाम पर चकलाघर। ऐसा जानी थाना क्षेत्र के सुभारती चौकी के आसपास किया भी जा रहा है। यहां एक दो नहीं बल्कि करीब तीन दर्जन ओयो के नाम पर ऐसे ही चकलाघर चल रहे हैं। कहने को ये ओयो हैं लेकिन इनमें से कोई भी सराय एक्ट के तहत पंजीकृत नहीं और न ही किसी पर फायर एनओसी व दूसरे लाइसेंस हैं। सारा काम सुभारती चौकी इंचार्ज धमेन्द्र के संरक्षण में चल रहा है।

### एक बार फिर से हुए गुलजार

**जानी** थाना क्षेत्र के सुभारती पुलिस चौकी के इर्द-गिर्द जितने भी ओयो होटल हैं, वो एक बार फिर से गुलजार हो गए हैं। इतना ही नहीं आसपास के जितने भी छोटे मोटे होटल व ढाबे हैं, वहां भी खुलेआम पीने पिलाने का दौर चलता है। सुनने में तो यहां तक आया है कि सुभारती चौकी के एक दारोगा कप्तान के नाम पर कमरे तक खुलवाने को पहुंच जाते हैं। हाइवे पर अवैध ओयो होटलों की बात पुलिस महकमे से छिपी नहीं है। कई बार यहां छापों में जिस्मफरोशी तक पकड़ी गयी है। कुछ समय पहले जब पुलिस ने सख्ती की थी तो जिस्मफरोशी के ठिकाने बने ओयो होटलो की रौनक गायब हो गयी थी, लेकिन एक बार फिर से ये तमाम ओयो होटल गुलजार हो गए हैं। कुछ का तो यहां तक कहना है कि किसी जमाने में जो हाल शहर का रेड लाइट एरिया माना जाने वाले कबाड़ी बाजार का था, वैसा ही कुछ हाल इन दिनों सुभारती के आसपास के ओयो होटलों का हो गया है।

### अपना स्टाफ हैं रखते

**सुनने** में आया है कि कुछ ओयो होटलों में तो जिस्मफरोशी के शौकीन माने जाने वालों

### सुभारती के आसपास के ओयो होटल एक बार फिर हो गए गुलजार

### होटल व ढाबों पर देर रात तक चलता है पीने पिलाने का दौर

के लिए लड़कियां तक मुहैय्या करा दी जाती हैं। इस बात की पुष्टि यूं भी की जा सकती है कि पूर्व में जब पुलिस ने ओयो होटलों के खिलाफ अभियान छेड़ा था तो अनेक छापों में ग्राहकों के संग लड़कियां भी मिली थीं। इनमें कुछ छात्राएं भी बतायी गयी थीं। वैसे ज्यादातर ओयो होटलों में आने वाले अपने साथ ही लड़कियों के साथ पहुंचते हैं, लेकिन यह भी बताया जाता है कि जिनके पास सुविधा नहीं होती उनको ओयो होटल संचालक स्टाफ मुहैय्या करा देते हैं। यह कहानी किसी एक ओयो की नहीं है बल्कि सुभारती के आसपास जितने भी ओयो होटल चल रहे हैं उन सभी में यह रौनक देखी जा सकती है।

### ढाबों में खुलेआम चलता है बार

**सुभारती** और हाइवे के बागपत फ्लाईओवर के जितने भी होटल व ढाबे हैं, वहां केवल खाना ही नहीं परसो जाता, बल्कि वहां खाना खाने आने वालों के लिए अवैध रूप से बार भी खोले हुए हैं। होता ये है कि जो भी वहां खाना खाने को पहुंचते हैं, वो अपने साथ पीने के लिए बोतल लेकर आते हैं। आमतौर में यहां ढाबों पर आने वालों में ज्यादातर लोग ग्रुप में पहुंचते हैं। खाने से पहले ये इन ढाबों पर शराब पीते हैं। कहने को तमाम ढाबों पर यहां शराब पीना सख्त मना है की तख्ती झूलती देखी जा सकती है, लेकिन इस तख्ती पर लिखी इबारत की धज्जियां ढाबा संचालक ही उड़वा रहे होते हैं। ऐसा नहीं है कि पुलिस इन सब बातों से बेखबर हो। कई बार तो ऐसा भी देखने को आया है कि ढाबे में खुलआम अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही होती है और पास ही पुलिस की लाल नीली लाइट वाली गाड़ी भी खड़ी रहती है। शाम ढलते ही जिस प्रकार से तमाम ढाबे अवैध बार में बदल जाते हैं। उसे देखकर यही कहा जा सकता है कि यह पुलिस के संरक्षण के बगैर संभव नहीं।

### कराएंगे जांच

**सुभारती** के आसपास ओयो या होटल ढाबों में कोई गैर कानूनी काम कराया जा रहा है तो उसकी जांच कराई जाएगी। यदि कोई लिखित शिकायत मिली तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

**–संजय जायसवाल, सीओ सरधना**

## शव का अंतिम संस्कार कराने से किया इंकार

**सरधना:** क्षेत्र के अटेरना गांव में युवक पत्नी का शव लेकर पहुंचा तो ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार कराने से इंकार कर दिया। सूचना पर पुलिस भी पहुंची। बात नहीं बनने पर युवक शव लेकर वापस लौट गया। मूलरूप से सरधना के अटेरना निवासी बोबी पुत्र जगबीर लंबे समय से बाहर रह रहा था। परिवार गांव में स्थित अपनी संपत्ति भी बेच चुका था। हाल में युवक पत्नी के साथ मेरठ में निवास कर रहा था। दो दिन पूर्व विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। परिजनों ने उनसे पल्ला झाड़ लिया। जिसके बाद पुलिस ने शव को युवक के सुपुर्द कर दिया। युवक शव को लेकर अटेरना पहुंच गया। मगर ग्रामीणों ने शव को अपने यहां रखवाने से इंकार कर दिया। मामला बढ़ा तो पुलिस मौके पर पहुंच गई। काफी देर बातचीत के बाद भी समाधान नहीं निकला तो युवक शव को वापस ले गया।

# सिंचाई विभाग की लापरवाही से चली गई बाइक सवार की जान

● जनवाणी संवाददाता, जानी खुर्द

**पूठरी** गांव निवासी एक युवक बाइक पर सवार होकर गुरुवार को कलंजरी चप भोला रजवाहा पटरी मार्ग से होते हुए भूड़बराल फैक्ट्री जा रहा था। इसी बीच रजवाहे की पक्की पटरी में बने गड्ढे के कारण उसकी बाइक अनियंत्रित होकर जा गिरी। बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर मृतक के परिजन व अन्य ग्रामीण भी मौके पर एकत्रित हो गए। सिंचाई विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषी अधिकारी एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग एवं मृतक के परिवार को आर्थिक मदद दिलाने की मांग को शव वहीं पर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। पांच घंटे तक चले हंगामे के बाद मामले में मुकदमा दर्ज कराने एवं मुआवजा दिलवाए जाने का आश्वासन मिलने के बाद ही ग्रामीणों ने शव को वहां से पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

नीरज (फाइल फोटो)

### रजवाहे की पक्की पटरी में कटान होने से गड्ढे में जा गिरा बाइक सवार युवक

### परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल, परिवार में पत्नी के साथ एक बेटा और बेटी

### गुस्साएं ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग की लापरवाही पर कार्रवाई, मुआवजे की मांग को लगाया पांच घंटे जाम

### सिंचाई विभाग ने डेढ़ लाख और डीएम की तरफ से पांच लाख रुपये के मुआवजे का दिया आश्वासन

पूठरी गांव निवासी 30 वर्षीय नीरज पुत्र राजाराम भूड़बराल की लक्ष्मी फैब्रिक फैक्ट्री में काम करता था। वह गुरुवार सुबह बाइक पर सवार होकर पूठरी से कलंजरी मार्ग पर रजवाहे की पक्की पटरी से होते हुए फैक्ट्री जा रहा था। इसी बीच सड़क में एक तरफ गड्ढा बना हुआ था, वहां से सड़क काफी धंसी हुई थी, इसी बीच बाइक उस गड्ढे में नीचे जा गिरी। इस दौरान उसके सिर व गर्दन में गहरी चोट लगी और नीरज खुद को संभाल नहीं सका। जिससे नीरज की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने इसकी सूचना परिजनों को दी, इस दौरान मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। दुर्घटना का मुख्य कारण सिंचाई विभाग के अधिकारियों की लापरवाही होना बताते हुए कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। आरोप है कि यदि रजवाहे की पटरी में कटान न होता तो शायद नीरज की जान नहीं जाती। मामले में जो भी सिंचाई विभाग के अधिकारी व कर्मचारी दोषी हैं, उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने एवं मृतक के परिवार में पत्नी व एक बेटा व बेटी जोकि पांच से छह वर्ष की हैं। आर्थिक मदद को लेकर शव रजवाहे की पटरी पर रखकर सिंचाई विभाग के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। मौके पर पुलिस पहुंची और गुस्साएं लोगों को शांत करने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ शांत नहीं हुई। दोपहर करीब एक बजे नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को बताया कि मामले में सिंचाई विभाग के लापरवाह अधिकारी एवं कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। साथ ही सिंचाई विभाग की तरफ से डेढ़ लाख रुपये का मुआवजा एवं शासन की तरफ से जो आर्थिक मदद मिलेगी उस पर डीएम की तरफ से पांच लाख रुपये की सहायता कराने का आश्वासन दिया गया। तब जाकर करीब पांच घंटे तक चले हंगामे के बाद ग्रामीण शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने को राजी हुए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया जा सका।

# युवती को ओयो में बनाया बंधक, जान बचाकर भागी, हंगामा

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

**जानी** थाना के बागपत हाइवे स्थित घर में बनाए गए एक ओयो होटल में दो दिन से बंधक बनायी गयी युवती गुरुवार देर रात को वहां से छूटकर किसी प्रकार जान बचाकर भागी। हालांकि युवती का मोबाइल व अन्य सामान छीन लिया। यह युवती किसी प्रकार एनएच-58 बागपत रोड फ्लाईओवर तक पहुंच गयी। उसके पीछे बाइक सवार तीन युवक भी उसका पीछा करते हुए आ धमके। इन युवकों ने ही इसे नोएडा से काल कर ओयो में बुलाया था। जिस वक्त हंगामा चल रहा था, उसी दौरान वहां जानी थाना की फैंटम पहुंच गयी। पुलिस वालों को देखकर बाइक पर पीछा कर नोएडा निवासी इस युवती को अपने साथ जबरन ले जाने का प्रयास कर रहे तीनों बाइक सवार कुछ दूर जाकर खड़े हो गए। युवती नशे में बुरी तरह से धुत थी। उसी दौरान वहां पर जिस ओयो होटल में युवती खुद को बंधक बनाकर रखने की बात कह रही थी, वहां काम करने वाला एक शख्स भी आ पहुंचा। युवती रोते चिल्लाते हुए बार-बार अपना मोबाइल व बैग दिलाने की बात कह रही थी। ओयो में काम करने वाले शख्स पर वह मोबाइल व बैग छीन लेने का आरोप लगा रही थी। इस दौरान वहां जब काफी लोग जमा हो गए तो युवती को अपने साथ ले जाने का प्रयास कर रहे बाइक सवार युवक वहां से तेजी से निकल गए।

### नोएडा निवासी कॉल गर्ल को ओयो संचालक ने ही था बुलाया

### युवती बोली-पिता की हो चुकी है मौत, बीमार मां के इलाज के लिए बेचती है अपना जिस्म

### पिता की हो गयी मौत मां है बीमार

**खुद** को नोएडा की रहने वाली बता रही इस युवती का कहना था कि उसके पिता की मौत हो चुकी है। मां बीमार है। अपनी बीमार मां का इलाज करने के लिए वह यह धंधा करती है। उसको दो दिन पहले ओयो में बुलाया था। उसको कई के सामने परोसा गया। ओयो होटल में उसको दो दिन से बंधक बनाकर रखा गया है। वहां पर उसका मोबाइल व बैग भी छीन लिया। वह जान बचाकर वहां किसी प्रकार निकली। खुद को पीछा कर रहे युवकों से बचाने के लिए वह समीप ही स्थित एक और ओयो होटल में पहुंची, लेकिन वहां उसको आसरा नहीं मिला। किसी तरह से जान बचाकर गिरती पड़ती मेन रोड हाइवे पर पहुंची जहां उसको जानी थाना की फैंटम ने संभाला। युवती बार-बार अपने घर जाने की बात कह रही थी। उसका कहना था कि मां बीमार है। उसको घर जाना है, लेकिन उसका मोबाइल व बैग ओयो होटल वालों ने छीन लिया है। बगैर बैग व मोबाइल के वह कैसे अपने घर पहुंचे। जिस ओयो होटल वाले पर वह आरोप लगा रही थी वहां काम करने वाले शख्स ने बताया कि यह युवती उनके यहां आती है। लेकिन दो दिन से उनके यहां यह काम पर नहीं आयी है। इससे यह तो साफ हो गया कि ओयो होटलों में जिस्म फरोशी करायी जा रही है।

### सिंचाई विभाग के जिलेदार की ये कैसी पेट्रोलिंग?

**मेरठ:** सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता ने जिलेदार के साथ अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारियों को रात्रि के समय रजवाहे की पटरी की पेट्रोलिंग के लिए बुधवार को दिन में निर्देशित किया गया था। जनवाणी ने इस समाचार को गुरुवार के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया। वहीं दूसरी तरफ बुधवार की रात्रि में ही पूठरी-कलंजरी मार्ग पर रजवाहे की पटरी में कटान होने के चलते बने गड्ढे में बाइक सवार युवक की मौत के मामले में सिंचाई विभाग फिर से सवालों के घेरे में आ खड़ा हुआ है। आखिर यह सिंचाई विभाग के जिलेदारों की यह कैसी पेट्रोलिंग कि अधिशासी अभियंता द्वारा जारी निर्देश के चंद घंटों के बाद इस तरह की घटना फिर से हो गई। घटना के बाद मामले में लापरवाही पर कार्रवाई की जगह अधिशासी अभियंता अब कम स्टाक होने की बात कहते हुए मामले से पल्ला झाड़ते दिखाई देने लगे हैं। सिंचाई विभाग का कर्मचारी उधर से पेट्रोलिंग करते हुए गया था। उसके बाद शेह आदि द्वारा संभवत पटरी में कटान किया गया होगा। एसके लाम्बा ने बताया कि वह गुरुवार को दिल्ली गाजियाबाद के लिए जो पानी की सप्लाई गंगनहर से होती है, उस सिलसिले में गए हुए थे। वैसे घटना की जानकारी पर सिंचाई विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर भेजे गए थे।

### घटना के वक्त मैं मौके पर नहीं था

पूठरी में हुई घटना में मैं मौके पर नहीं जा सका, मैं गाजियाबाद की तरफ गया था। जिस जगह यह घटना हुई रात्रि में करीब 11 बजे तक पटरी ठीक थी,बाद में शेह आदि द्वारा संभवत कटान किया गया है। फिलहाल विभाग में कम स्टाप होने के बाद भी पेट्रोलिंग कराई जा रही है।

**–एसके लाम्बा, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग मेरठ।**

# नाम हुमायूंनगर, हालात बद से बदतर

● जनवाणी संवाददाता, मेरठ

**जनाब!** नाम तो है हुमायूंनगर, लेकिन यहां के हालात बद से बदतर हैं। नगर निगम साफ-सफाई का राग अलाप रहा है। इन सब के बावजूद शहर में गंदगी का आलम चरम पर है। लिसाड़ी गेट क्षेत्र में सीवर के चोक होने के कारण सड़क पर जलभराव की समस्या बन गई। इस जलभराव की समस्या से जहां एक तरफ स्थानीय लोगों को परेशानी पैदा हुई। उधर दूसरी तरफ मार्ग से होकर गुजरने वाले राहगीरों को भी परेशानी पैदा हुई। नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी शिकायत के बाद भी संज्ञान नहीं लेते। लोहिया नगर में नाला सफाई के बाद निकाली गई सिल्ट नहीं उठाए जाने पर वह सड़क पर ही फैल रही है। जिसके चलते राहगीरों को परेशानी पैदा हो रही है। शहर में कई जगहों पर सीवर के ढक्कन खुले पड़े हैं। जिसमें एक बच्चा खुले सीवर के ढक्कन के कारण जा गिरा था, उसे बमुश्किल निकाला गया।

लिसाड़ी गेट क्षेत्र निवासी शौकत अली का कहना है कि नगर निगम द्वारा बार-बार शिकायत के बाद भी न तो सफाई व्यवस्था में सुधार कराया जाता है, न ही चौक नालों की साफ-सफाई अच्छे से कराई जाती है। उधर, सीवर के चोक होने की समस्या भी लगातार बनी रहती है। इसमें सीवर चोक होने से सड़क पर जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। इसमें अब्दुल वाहिद, फहीम रंगरेज व मिलन पैलेस के निकट निवासी शहजाद ने बताया कि शहर में सीवर के चोक होने के कारण सड़कों पर जलभराव

हुमांयूनगर की सड़कों पर फैली नाले की सिल्ट।

### लिसाड़ीगेट क्षेत्र में सीवर के चोक होने पर सड़क पर हुआ जलभराव

### लोहियानगर में चोक नाले की सफाई के बाद सड़क पर डाली गई सिल्ट बनी परेशानी का सबब

की समस्या पैदा होना एक आम बात हो गई है। लोहियानगर क्षेत्र में नगर निगम द्वारा चोक नालों की जेसीबी से सफाई कराई गई। जो सिल्ट नाले से निकाली गई थी, उसे निगम द्वारा नहीं हटवाया गया। अब वह वाहनों के कारण मार्ग पर फैलने लगी है। जिस कारण स्कूली बच्चों के साथ मार्ग से होकर गुजरने वाले राहगीर भी परेशान होते दिखाई देने लगे हैं। लोगों का कहना है कि नगर निगम अधिकारी शिकायत के बाद भी मामले में संज्ञान नहीं ले रहे हैं। महापौर हरिकांत अहलूवालिया ने नगर निगम अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ सूरजकुंड रोड स्थित डिपो पर ली। जिसमें उन्होंने इस तरह की समस्या के समाधान कराने के लिए भी निर्देशित किया।